# नगरीय संस्कृति की अवधारणा

**( Concept of Urban Culture )**


प्रस्तुतकर्ता

डॉ. सुषमा शर्मा

सहा. प्राध्यापक – समाजशस्त्र

डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

# नगरीय संस्कृति की अवधारणा

1. संस्कृति की परिभाषा
2. संस्कृति की विशेषताएँ
3. संस्कृति में विभिन्नताएँ
4. नगरीय संस्कृति
5. नगरीय संस्कृति की विशेषताएँ

# नगरीय संस्कृति की अवधारणा

## १. संस्कृति की परिभाषा

**मैलिनोवस्की के अनुसार** – "संस्कृति प्राप्त आवश्यकताओं की एक व्यवस्था और उद्देश्यमूलक क्रियाओं की संगठित व्यवस्था है।"

**टी. बी. टायलर के अनुसार** – "(1874 में) संस्कृति वह जटिल समग्रता है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कला, शील, विधि, रुढ़ि और ऐसी ही अन्य क्षमताओं और आदतों का समावेश रहता है, जिन्हें मनुष्य समाज का सदस्य होकर प्राप्त करता है।"

# नगरीय संस्कृति की अवधारणा

## २. संस्कृति की विशेषताएँ –

1. मानव निर्मित है ।
2. एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित ।
3. मूर्त एवं अमूर्त दोनों तत्व समाहित ।
4. व्यक्ति संस्कृति को समाज से सीखता है।
5. संस्कृति व्यक्ति के व्यवहारों का प्रतिमान रचती है।
6. संस्कृति के कुछ नियम, मूल्य और आदर्श होते हैं।
7. प्रकृति सामाजिक होती है।
8. पारिवारिक संगठन
9. समूह का निर्माण
10. वृहद समूह
11. निश्चित कार्य
12. अतिक्रमण पर नियंत्रण
13. मनोवैज्ञानिक एकता

# नगरीय संस्कृति की अवधारणा

## ३. संस्कृति में विभिन्नताएँ

1. भौगोलिक पर्यावरण
2. धार्मिक विश्वास
3. सांस्कृतिक उन्नति–भाव
4. प्रौद्योगिक प्रगति
5. राजनैतिक घटनाएँ

# नगरीय संस्कृति की अवधारणा

## ४. नगरीय संस्कृति

- नगरीय संस्कृति और ग्रामीण संस्कृति दो भिन्न संस्कृतियाँ हैं।
- नगरीय संस्कृति में एकरुपता कम और विविधता काम देखने को मिलती है।

# नगरीय संस्कृति की अवधारणा

## ५. नगरीय संस्कृति की विशेषताएँ –

1. भौतिकवादी और उपयोगितावादी संस्कृति
2. यथार्थवादी दृष्टिकोण
3. धार्मिक मूल्यों व आदर्शो में ह्रॅास
4. समय धन है
5. मशीनी संस्कृति
6. वर्गीय संस्कृति
7. जुलुस, हड़ताल, बंद और घिराव की संस्कृति
8. विभन्न संस्कृतियों का पुंज
9. जातिवादी और सम्प्रदायवादी संस्कृति
10. पाश्चात्य संस्कृति के केन्द्र